विशेष | नीट परीक्षा रद्द होने से ग्रामीण छात्रों में मायूसी के साथ आक्रोश

पेपर लीक की आंच में झुलसे युवाओं के सपने

नवभारत, बेलखाडू जबलपुर। देशभर में मेडिकल प्रवेश की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षा हश्वश्वज्ञ के कथित पेपर लीक के कारण रद्द होने की खबर ने लाखों छात्रों के सपनों पर मानो पानी फेर दिया है।

इसका सबसे गहरा असर ग्रामीण और मध्यमवर्गीय परिवारों के उन विद्यार्थियों पर पड़ा है जिन्होंने वर्षों की मेहनत, संघर्ष और परिवार की जमा-पूंजी दांव पर लगाकर डॉक्टर बनने का सपना देखा था।

ग्रामीण क्षेत्रों में छाया निराशा का माहौल

जबलपुर जिले के बेलखाडू, कटंगी, पाटन, सिहोरा और आसपास के गांवों से शहर आकर पढ़ाई कर रहे छात्रों में गहरी मायूसी देखी जा रही है। कई छात्र-छात्राएं किराये के कमरों और हॉस्टलों में रहकर दिन-रात मेहनत कर रहे थे। किसी के पिता किसान हैं, कोई मजदूर परिवार से है तो कोई मध्यमवर्गीय परिवार से सबकी एक ही उम्मीद थी, बेटा-बेटी डॉक्टर बनेगा। लेकिन परीक्षा देने के कुछ दिनों बाद ही जब यह खबर सामने आई कि पेपर लीक के कारण परीक्षा रद्द कर दी गई है, तो छात्रों में निराशा और गुस्सा दोनों साफ नजर आ रहे हैं।

माता-पिता की उम्मीदों पर भी लगा आघात

ग्रामीण परिवारों के लिए बच्चों को मेडिकल की तैयारी करवाना आसान नहीं होता। कई परिवारों ने शिक्षा ऋण लेकर फीस भरी। कुछ माध्यम वर्ग परिवारों ने कर्ज लेकर कोचिंग करवाई तो कई माता-पिता ने अपनी जरूरतें कम कर बच्चों की पढ़ाई को प्राथमिकता दी ऐसे में परीक्षा रद्द होने की खबर ने सिर्फ छात्रों ही नहीं बल्कि माता-पिता के सपनों को भी झकझोर दिया है।

मेहनत पर पानी फिर गया छात्रों की पीड़ा

ग्रामीण क्षेत्र से आए छात्रों का कहना है कि उन्होंने सालों तक त्योहार छोड़कर पढ़ाई की, मोबाइल और सोशल मीडिया से दूरी बनाई और हर दिन 10-12 घंटे पढ़ाई की। परीक्षा देने के बाद राहत मिली थी कि मेहनत रंग लाएगी, लेकिन अब फिर से तैयारी शुरू करने की बात से मानसिक तनाव बढ़ गया है। कई छात्राओं ने कहा कि परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वे लंबे समय तक कोचिंग और हॉस्टल का खर्च उठा सकें। परीक्षा रद्द होने से भविष्य अनिश्चित लगने लगा है।

आक्रोश के साथ उम्मीद भी

ग्रामीण इलाकों में छात्रों और अभिभावकों के बीच आक्रोश भी देखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि इतनी बड़ी परीक्षा में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होनी चाहिए थी। छात्रों की मांग है कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो ताकि भविष्य में किसी और के सपनों के साथ ऐसा खिलवाड़ न हो। फिलहाल हजारों छात्र-छात्राएं नई परीक्षा तिथि की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उनकी उम्मीद अब भी जिंदा है, लेकिन इस घटना ने यह जरूर दिखा दिया कि एक परीक्षा रद्द होने से कितने घरों के सपने हिल जाते हैं।

इनका कहना है

मैं नीट एग्जाम के लिए कॉलेज से ड्रॉप लेकर लगन से पढ़ाई की। परीक्षा कैंसिल होने से बहुत दुख है, हर बार पेपर कैंसिल होने से अच्छा है ऑनलाइन एग्जाम कंडक्ट किए जाएं तो कुछ बेहतर उम्मीद है।

स्वास्तिक पटेल, छात्र, भर्रा

मैं छात्र स्वास्तिक पटेल भर्रा में तेज धूप, भीषण ठंड व बरसते पानी में गांव से शहर तक रोज 40 किलोमीटर पढ़ाई के लिए साल भर मैंने आना जाना किया और एक लाख रुपए खर्च किए। पेपर लीक से मुझे बहुत आघात पहुंचा है। सिस्टम सुधारना जरूरी है।

खुशी पाराशर, छात्रा, बेलखाडू

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि में लगा समर कैंप

शहपुरा। शहपुरा नगर में प्रजापति ब्रहाकुमारी ईश्वरीय महाविद्यालय में बच्चों के सर्वांगीण विकास, नैतिक शिक्षा एवं आध्यात्मिक जागरूकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के विश्व कल्याण भवन, शहपुरा में 9 से 13 मई तक पांच दिवसीय समर कैंप का भव्य आयोजन किया गया।

इस समर कैंप में लगभग 8 वर्ष से 16 वर्ष तक के बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी प्रतिभा, कला एवं रचनात्मक क्षमताओं का शानदार प्रदर्शन किया। समर कैंप के दौरान बच्चों के लिए अनेक सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें संगीत प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, नृत्य प्रतियोगिता, संस्कार आधारित गतिविधियाँ, कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता, कला प्रदर्शन तथा अन्य रचनात्मक कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। बच्चों ने पूरे उत्साह, उमंग एवं आत्मविश्वास के साथ प्रत्येक गतिविधि में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इस दौरान बच्चों को केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उन्हें आध्यात्मिक ज्ञान एवं जीवन उपयोगी शिक्षाओं से भी अवगत कराया गया। उषा दीदी ने कहा कि आज के समय में बच्चों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा की भी आवश्यकता है। उन्होंने बच्चों को सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास एवं आत्मबल बढ़ाने के लिए नियमित राजयोग अभ्यास करने की प्रेरणा भी दी। समर कैंप के सफल समापन समारोह 13 मई को अत्यंत हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उषा दीदी, रतन दादा, राजेंद्र जैन तथा वार्ड पार्षद जया रविकांत साहू की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने बच्चों के उत्साह एवं प्रतिभा की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का संचालन कालुराम पाटकर, नन्द किशोर एवं सुधीर श्रीवास्तव ने किया।

केवलारी में संपन्न हुआ भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणी का विवाह

पनागर। ग्राम केवलारी में चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन भगवान श्रीकृष्ण और माता रुक्मणी के विवाह का प्रसंग अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ सुनाया गया। कथा के दौरान जैसे ही श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह की रस्में शुरू हुईं, पूरा पंडाल मंगल गीतों और जयकारों से सराबोर हो गया। श्रद्धालुओं ने भगवान के इस दिव्य विवाह उत्सव में जमकर नृत्य किया और पुष्प वर्षा की।

कथा वाचक पंडित श्री रमाकांत पौराणिक जी महाराज ने रुक्मणी विवाह के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि रुक्मणी जी साक्षात लक्ष्मी स्वरूपा हैं और उनका भगवान कृष्ण से मिलन जीव का परमात्मा से मिलन है। उन्होंने कहा कि जो भक्त इस विवाह प्रसंग को श्रद्धापूर्वक सुनते हैं, उनके पारिवारिक जीवन में सुख-शांति और सौभाग्य का आगमन होता है। कथा के दौरान आकर्षक झांकी सजाई गई थी, जिसे देखकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।

भारी संख्या में उमड़े श्रद्धालु

श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह के इस विशेष प्रसंग को सुनने के लिए केवलारी सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिला और पुरुष श्रद्धालु कथा स्थल पहुंचे। विवाह के बाद भव्य आरती की गई और सभी को विशेष प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन में तिवारी परिवार सहित समस्त ग्रामवासियों का विशेष सहयोग रहा। आगामी दिनों में कथा के अन्य प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा।

ईको बायोमास फ्यूल प्लांट में लगी भीषण आग

▶ घंटों मशक्कत के बाद पाया गया काबू

सिहोरा, नवभारत। तहसील के गोसलपुर स्थित खिन्नी रोड पर संचालित ईको हार्वेस्ट बायो फ्यूल्स प्लांट में शुक्रवार दोपहर भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी विकराल थी कि उसे बुझाने के लिए सिहोरा, जबलपुर, कटनी, पनागर और मझौली से करीब एक दर्जन दमकल वाहन और पानी के टैंकर मौके पर बुलाने पड़े। दोपहर से शुरू हुआ आग बुझाने का सिलसिला देर रात तक जारी रहा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्लांट परिसर में बड़ी मात्रा में गेहूं की नरवाई से बने रोल (गट्ठे) खुले में रखे गए थे। अचानक इनमें आग लग गई, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग ने बाहर रखे नरवाई के गट्ठों को पूरी तरह जलाकर खाक कर दिया और धीरे-धीरे वेयरहाउस तक पहुंच गई, जहां मशीनों द्वारा बनाए गए बायो फ्यूल प्लेट्स और उपकरण भी जल गए। इस हादसे में प्लांट को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका है।

बड़ा हादसा टला

प्लांट के पास ही एक पेट्रोल पंप और गैस गोदाम स्थित है। आग के फैलने से इन दोनों स्थानों तक खतरा पहुंच गया था, लेकिन समय रहते दमकल विभाग और प्रशासन की सतर्कता से बड़े हादसे को टाल दिया गया।

सुरक्षा नियमों की अनदेखी उजागर

घटना के बाद सामने आया कि प्लांट प्रबंधन द्वारा सुरक्षा मानकों की गंभीर अनदेखी की गई थी। नियमानुसार प्लांट के चारों ओर लगभग 10 फीट ऊंची बाउंड्रीवाल और उस पर इरिगेशन ड्रिप सिस्टम होना चाहिए, जो मौजूद नहीं था। इसके अलावा नरवाई के ढेरों के ऊपर से विद्युत केबल लाइन गुजर रही थी, जो आग लगने का बड़ा कारण बन सकती है। मौके पर न तो रेत की बाल्टियां उपलब्ध थीं और न ही वाटर कैनन सिस्टम। साथ ही प्लांट में कोई प्रशिक्षित साइड इंजीनियर भी मौजूद नहीं था और अप्रशिक्षित कर्मचारियों से काम कराया जा रहा था।

प्रशासनिक अमला पहुंचा मौके पर

घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। सिहोरा एसडीएम श्रीमती ज्योति परस्ते, तहसीलदार रूपेश्वरी कुंजाम, एसडीओपी आदित्य सिंघारिया, टीआई गाजीवती कोसाम और नायब तहसीलदार जयभान सिंह उइके ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और पंचनामा कार्रवाई शुरू की।

लापरवाही बनी कारण

प्राथमिक जांच में यह स्पष्ट हो रहा है कि प्लांट प्रबंधन की लापरवाही और सुरक्षा मानकों की अनदेखी इस भीषण अग्निकांड का मुख्य कारण रही। प्रशासन द्वारा मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

मौत को आमंत्रण दे रहा खुला चेंबर, आए दिन हो रहे हादसे

▶ शिकायत के बाद भी नगर पालिका मौन, क्षेत्रीय वासियों में फैल रहा आक्रोश

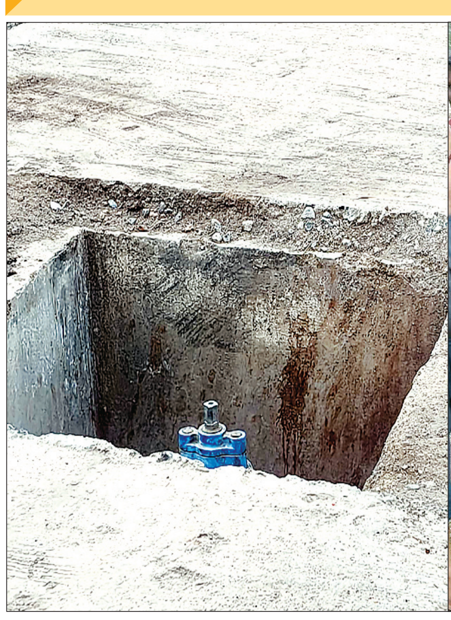

पनागर, नवभारत। विकास और स्वच्छता के दावों के बीच पनागर के जगमोहन वार्ड से एक डराने वाली तस्वीर सामने आई है। यहाँ कृषि उपज मंडी के पास स्थित एक खुला चेंबर राहगीरों और क्षेत्रीय जनता के लिए जानलेवा साबित हो रहा है।

बताया जाता है कि सड़क से बिल्कुल सटकर बना यह गहरा चेंबर आए दिन बड़ी दुर्घटनाओं को न्योता दे रहा है, लेकिन बार-बार की शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी कुंभकर्णी नींद में सोए हुए हैं।

हादसों का केंद्र बना वार्ड

स्थानीय रहवासियों का आरोप है कि चेंबर खुला होने के कारण यहाँ से गुजरना किसी खतरे से कम नहीं है। रात के अंधेरे में स्थिति और भी भयावह हो जाती है। अब तक यहाँ दर्जनों बार मवेशी और आवारा जानवर लड़ते-लड़ते इस चेंबर में गिर चुके हैं। इतना ही नहीं, मुख्य मार्ग से सटे होने के कारण कई दोपहिया वाहन चालक भी अनियंत्रित होकर इसमें गिरकर गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं।

प्रशासन की चुप्पी से बढ़ा आक्रोश

क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है कि नगर पालिका प्रशासन को इस गंभीर समस्या से अनेक बार अवगत कराया गया है, परंतु आज तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। स्थानीय जनों ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि क्या प्रशासन किसी बड़ी जनहानि या मौत का इंतजार कर रहा है? वार्ड वासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द से जल्द इस चेंबर को सुरक्षित तरीके से बंद नहीं किया गया, तो वे नगर पालिका कार्यालय का घेराव कर उग्र प्रदर्शन करने पर मजबूर होंगे। ज्ञातव्य हो कि सरेराह खुले इस चेंबर ने अब स्थानीय लोगों के सब्र का बांध तोड़ दिया है।

इनका कहना है

सैकड़ों चैंबर हर महीने बन रहे है लेकिन कहां लग रहे पता ही नहीं, पार्षदों द्वारा अध्यक्ष सीएमओ को हमेशा अवगत कराया जाता है लेकिन ध्यान ही नहीं दिया जाता है

प्रमोद पटेल पार्षद

जगह जगह खुले चैंबर है रोड बनने पर गहरे हो गए है,कभी भी कोई दुर्घटना हो सकती है अध्यक्ष सहित अधिकारियों को जानकारी दी जा चुकी है

मुकेश वंशकार, पार्षद

सर्वे करा लिया गया है अगले दो दिनों में हो जाएंगे

आशीष शर्मा मुख्य नगर पालिका अधिकारी पनागर

मंजू मिश्रा बनीं बालाघाट महिला कांग्रेस की प्रभारी

सिहोरा। मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस संगठन ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए सिहोरा ग्रामीण क्षेत्र की सक्रिय और लगनशील महिला नेता मंजू मिश्रा को बालाघाट महिला कांग्रेस का प्रभारी नियुक्त किया है। इस नियुक्ति को संगठन में महिलाओं की मजबूत भागीदारी और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। यह नियुक्ति अभा महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री अलका लांबा, मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, महिला कांग्रेस प्रभारी ममता चंद्राकर, प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया एवं सह प्रभारी ममता विशिष्ट के निर्देशानुसार की गई है।

नीट पेपर लीक के विरोध में कांग्रेस निकालेगी मशाल जुलूस

सिहोरा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सिहोरा द्वारा आगामी 17 मई 2026 को नीट परीक्षा पेपर लीक प्रकरण के विरोध में एक बड़े आंदोलन का आयोजन किया जा रहा है। इस आंदोलन के तहत मशाल जुलूस निकाला जाएगा और अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सिहोरा को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

कार्यक्रम का आयोजन मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार एवं जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष संजय यादव के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि नीट परीक्षा में हुए पेपर लीक से लाखों विद्यार्थियों के भविष्य के साथ गंभीर खिलवाड़ हुआ है, जिसके खिलाफ पार्टी सड़क पर उतरकर विरोध दर्ज कराएगी।

मशाल जुलूस सायं 6:00 बजे बाबा ताल सिहोरा स्थित प्रकाश कुररिया के कार्यालय से प्रारंभ होगा। इसके बाद कांग्रेसजन एकजुट होकर सिहोरा शहर में रैली निकालेंगे और अंत में अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपेंगे।

कार्यकर्ताओं से की अपील

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सिहोरा के अध्यक्ष बिहारी पटेल ने सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि देश के युवाओं और उनके भविष्य की रक्षा के लिए है। कांग्रेस पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक लोगों को इस कार्यक्रम की जानकारी दें और समय पर पहुंचकर आंदोलन को सफल बनाएं।

रेलवे के लोगो में जुड़ा 18वां सितारा

जबलपुर, नवभारत। भारतीय रेलवे ने अपने आधिकारिक प्रतीक चिन्ह में एक महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए नया लोगो जारी किया है। अब रेलवे के लोगो में 17 के बजाय 18 सितारे नजर आएंगे। रेलवे बोर्ड ने 1 जून से भारतीय रेलवे के सभी उपक्रमों, स्टेशनों और कार्यालयों में इस नए लोगो को अपनाने के निर्देश जारी किए हैं। यह बदलाव देश में एक नया रेल जोन बनने के कारण किया जा रहा है रेलवे के लोगो में मौजूद सितारे उसके विभिन्न क्षेत्रीय रेल का प्रतिनिधित्व करते हैं। हाल ही में भारतीय रेलवे ने दक्षिण तट रेलवे को 18 वें क्षेत्रीय रेलवे के रूप में गठित किया है। इस नए जोन दक्षिण तट रेलवे का मुख्यालय विशाखापत्तनम में होगा। यह नया जोन 1 जून, 2026 से आधिकारिक रूप से कार्य करना शुरू कर देगा, जिसके साथ ही नया लोगो भी प्रभावी हो जाएगा।

बेहतर विस्तार से मिलेगी सुविधा

रेलवे प्रशासन ने सभी मंडलों और जोन्स को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी स्टेशनों की बिल्डिंग्स, ट्रेनों के कोच, आधिकारिक दस्तावेजों और सोशल मीडिया हैंडल्स पर पुराने लोगो को हटाकर नया 18 सितारों वाला लोगो लगाया जाए। सभी रेलवे उपक्रमों जैसे आईआरसीटीसी, आरवीएनएल आदि को भी इस नए बदलाव को आत्मसात करने के लिए कहा गया है। रेलवे का कहना है कि यह विस्तार और प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण की दिशा में यह एक बड़ा कदम है। 18वें जोन के गठन से दक्षिण भारत के रेल नेटवर्क में सुधार और संचालन में और अधिक गति आने की उम्मीद है 1 जून से भारतीय रेलवे की एक नई और अपडेटेड पहचान पूरे देश के सामने होगी।

कार की टक्कर से युवक घायल

जबलपुर। सिहोरा थाना क्षेत्र में कार की टक्कर से युवक घायल हो गया । जिसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। पुलिस के मुताबिक राहुल चौधरी 30 वर्ष निवासी इमलहापुरा सिहोरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि बीती रात लगभग 8 बजे वह पनागर से आकर एवन स्टील फर्नीचर दुकान के सामने आटो से उतरकर घर के लिये पैदल जा रहा था तभी सिहोरा तरफसे आ रही कार क्रमांक एमपी 15 जेड एम 1282 का चालक तेज गति लापरवाही से चलाते हुये उसके पीछे से टक्कर मार दिया जिससे उसे चोटें आ गई।

आयोजन | मां हिरन जल संवर्धन अभियान पर अकोला में हुआ कार्यक्रम

गांव में जागरूकता के लिए पहुंचा सुसज्जित वाहन रथ

नवभारत, इंद्राना। जनपद पंचायत पनागर के ग्राम पंचायत लखना के ग्राम अकोला में आज 15 मई दोपहर में मां हिरन नदी जल संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया । मध्य प्रदेश शासन के नदियों एवं उसके स्वच्छ जल को सहेजने हेतु निर्देश दिए गए हैं।

इसी जल संवर्धन अभियान को गति देते हुए पनागर विधानसभा से भी हिरन नदी गुजरी हुई है । इसको प्रदूषण मुक्त करते हुए दैनिक जीवन में इसके जल का बहु उपयोगी उद्देश्य चरितार्थ हो । इसके लिए मां हिरन जल संवर्धन कार्यक्रम जनपद पंचायत पनागर अंतर्गत प्रारंभ हुआ। जिसमें उपस्थित पनागर विधानसभा के विधायक माननीय सुशील तिवारी इंदु एवं एसडीएम ,जनपद सीईओ पनागर , इंजीनियर सहित सरपंच सचिव एवं ग्राम वासियों की सहभागिता रही । हिरन नदी जल संवर्धन अभियान को तेज गति देने एक चालित वाहन रथ बनाया गया जो गांव और ग्राम पंचायत पहुंच कर लोगों को जागरूक करेगा। इस अवसर पर सरपंच श्रीमती रजनी महेंद्र राजपूत, सचिव मिथुन पटेल सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र वासी उपस्थित रहे ।